किसान खेती
वर्ष–1, अंक–1, (जनवरी–मार्च), 2014
www.kisaankheti.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© 2014 kisaankheti.com
ई-आईएसएसएन:2348-2265

संपादकीय

किसान और खेती का महत्व: हमारा योगदान

किसान और खेती की महत्ता हम सभी जानते हैं कि अगर किसान फसलें पैदा नहीं करते और खाद्यान्न का उत्पादन नहीं करते तो हम क्या खाते । यह एक वाक्य हमें एहसास करवाता है कि किसान और खेती हमारे जीवन में कितने महत्वपूर्ण है? कृषि गतिविधि आदमी की सबसे बड़ी आवश्यकता है । क्या किसी भी व्यक्ति के लिए उसके जीवन से ज्यादा कुछ और महत्वपूर्ण हो सकता है? आत्मा शरीर को जीवन प्रदान करती है तथा शरीर को बनाए रखने के लिए हवा और पानी के बाद, भोजन ही सबसे बड़ी आवश्यकता है जोकि केवल 'कृषि' द्वारा प्राप्त किया जाता है । इसलिए, कृषि गतिविधि आदमी की सभी गतिविधियों में से सबसे महत्वपूर्ण गतिविधि है । पेट में अगर खाना नहीं होता है तो कोई काम नहीं किया जा सकता है । इसलिए हर किसी का मुख्य उद्देश्य कृषि विकास होना चाहिए और उसके लिए योगदान करना चाहिए । हम योगदान किस तरह से कर सकते हैं? किसानों की समस्याओं को सुन कर, उनकी विशिष्ट जरूरतों को पूरा कर के, अधिक उत्पादक खेती की तकनीक और प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी उपलब्ध करा कर के, बाजार और सरकार की नीतियों का अधिक से अधिक उपयोग करने में उन्हें सक्षम बनाकर और ऐसे कृषि अनुसंधान कर के जो किसानों के लिए वास्तव में उपयोगी है, द्वारा ही हम कृषि विकास में वास्तविक योगदान दे सकते हैं । इसी कड़ी में खेती से संबंधित जानकारी प्रदान करने के लिए “किसान खेती” नामक यह त्रैमासिक पत्रिका प्रकाशित की जा रही है । पत्रिका का उद्देश्य अपने ज्ञान और अनुभवों को प्रकाशित करने के लिए लेखकों को एक खुला मंच प्रदान करना है और पाठकों के लिए कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण गतिविधियों की जानकारी हासिल करवाना है । इस कदम को सफल बनाने के लिए, कृषि क्षेत्र से जुड़े हुए किसी को भी, चाहे किसान, कृषि शोधकर्ता, छात्र, वैज्ञानिक, विस्तार कार्यकर्ता, या कोई भी चाहे कृषि विज्ञान का लेखक और पाठक, सभी को यह अनुरोधित किया जाता है कि कृषि के क्षेत्र में अपने ज्ञान और अनुभवों को बांट कर एक दूसरे से लाभान्वित होवें । एक-दूसरे के अनुभवों को तथा खेती से संबंधित जानकारी को एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पंहुचा कर हम कृषि विकास में कुछ योगदान कर सकते हैं । कई बातें हैं जैसे कृषि के क्षेत्र में लोकप्रिय प्रौद्योगिकियों पर सफलता की कहानियां, हमारी प्राचीन कृषि प्रणालियां, स्वदेशी कृषि प्रौद्योगिकी ज्ञान (ITKs) और आज की कृषि पारिस्थितिकी के बदलते परिदृश्य में आधुनिक कृषि की गतिविधियां आदि जिन्हे हमें खेती के सम्पूर्ण विकास हेतु खेत से खेत तक प्रसार-प्रचारित करना चाहिए । तो आएं और अपने अनुभवों को बांट कर एक साथ मिलकर कृषि विकास में कुछ योगदान करें । उपभोक्ता हमेशा उत्पादक का ऋणी होता है । अगर हम योगदान नहीं कर रहे हैं तो हम सिर्फ उपभोक्ता बनकर कृषक के ऋणी हैं, हमें मात्र उपभोक्ता नहीं, योगदानकर्ता भी बनना है और आज से ही हमारे जीवन में कुछ महत्वपूर्ण करना है, क्यों नहीं अन्न दाता किसान के अन्न के कर्ज़ को अदा करने के लिए आज से ही कुछ करें । धन्यवाद ।

✍: मूलाराम, सहायक प्रोफेसर (सस्य विज्ञान), कृषि अनुसंधान उप-केन्द्र, सुमेरपुर (पाली) राजस्थान